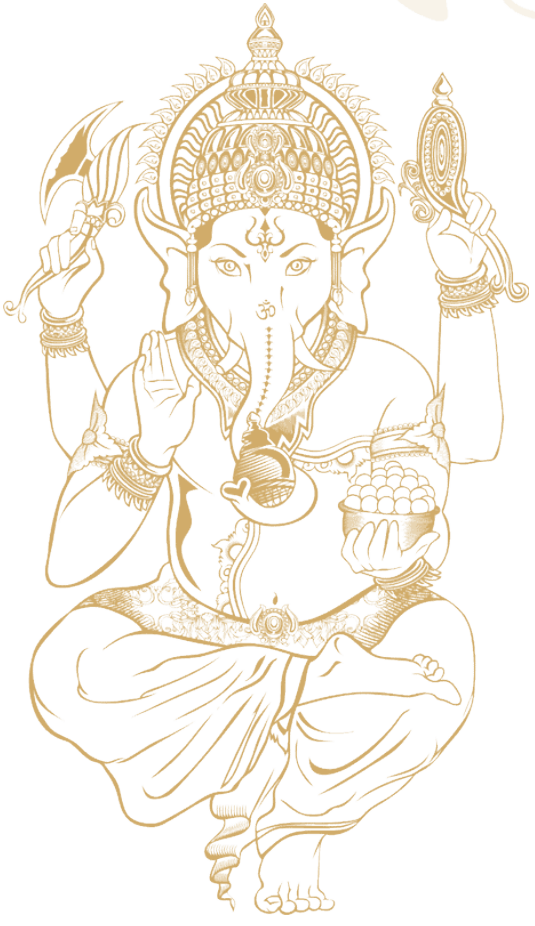

Pallavi Kumari

04 May 2009

11:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120929403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/05/2009**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	14:27:54 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:13 घंटे
साम्पातिक काल	01:58:57 घंटे
सूर्योदय	05:12:50 घंटे
सूर्यास्त	18:21:08 घंटे
दिनमान	13:08:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:54:18 मेष
लग्न के अंश	12:21:24 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:21:24	313:19:52	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	---
सूर्य			मेष	19:54:18	00:58:09	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	20:08:38	13:32:09	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मीन	15:00:29	00:46:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृष	07:21:50	00:15:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	00:20:08	00:07:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	09:52:26	00:31:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	21:03:45	00:01:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	10:00:40	00:03:56	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	10:00:40	00:03:56	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:19:57	00:02:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
नेप			कुंभ	02:19:01	00:00:49	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	09:05:23	00:00:52	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	07:55:11	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:28

लग्न-चलित

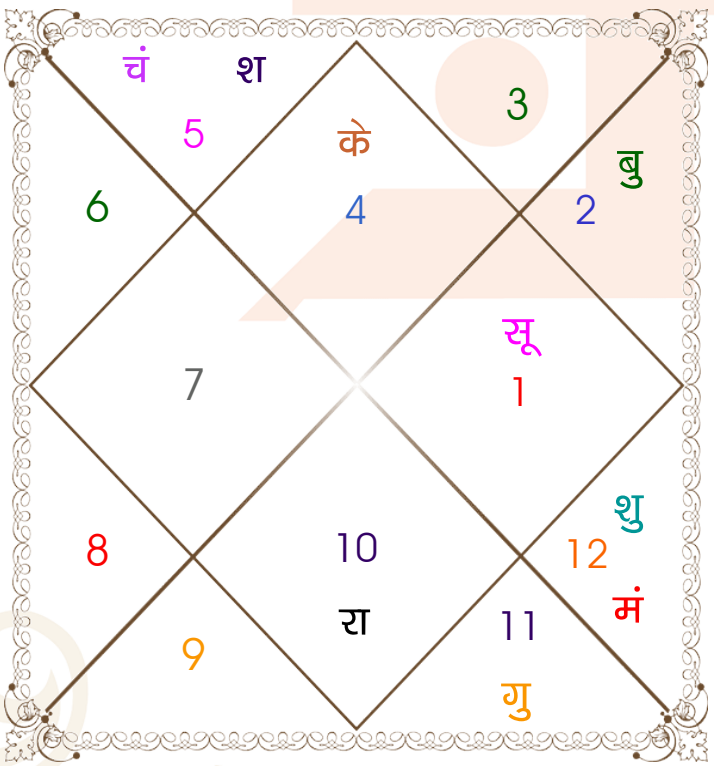

चन्द्र कुंडली

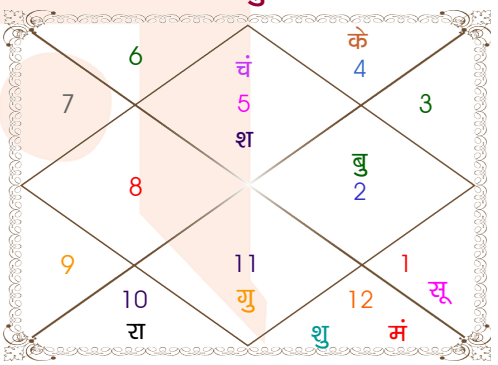

नवमांश कुंडली

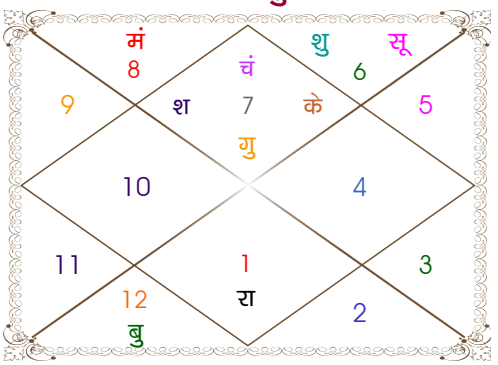

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 9 मास 12 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/05/2009		15/02/2019		14/02/2025		15/02/2035		14/02/2042	
15/02/2019		14/02/2025		15/02/2035		14/02/2042		15/02/2060	
	00/00/0000	सूर्य	04/06/2019	चंद्र	16/12/2025	मंगल	14/07/2035	राहु	28/10/2044
	00/00/0000	चंद्र	04/12/2019	मंगल	17/07/2026	राहु	31/07/2036	गुरु	23/03/2047
	00/00/0000	मंगल	10/04/2020	राहु	15/01/2028	गुरु	07/07/2037	शनि	27/01/2050
	00/00/0000	राहु	04/03/2021	गुरु	16/05/2029	शनि	16/08/2038	बुध	16/08/2052
	04/05/2009	गुरु	22/12/2021	शनि	16/12/2030	बुध	13/08/2039	केतु	03/09/2053
गुरु	16/12/2011	शनि	04/12/2022	बुध	16/05/2032	केतु	09/01/2040	शुक्र	03/09/2056
शनि	15/02/2015	बुध	10/10/2023	केतु	15/12/2032	शुक्र	11/03/2041	सूर्य	29/07/2057
बुध	16/12/2017	केतु	15/02/2024	शुक्र	16/08/2034	सूर्य	16/07/2041	चंद्र	27/01/2059
केतु	15/02/2019	शुक्र	14/02/2025	सूर्य	15/02/2035	चंद्र	14/02/2042	मंगल	15/02/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/02/2060		15/02/2076		15/02/2095		16/02/2112		16/02/2119	
15/02/2076		15/02/2095		16/02/2112		16/02/2119		00/00/0000	
गुरु	04/04/2062	शनि	18/02/2079	बुध	13/07/2097	केतु	14/07/2112	शुक्र	17/06/2122
शनि	15/10/2064	बुध	28/10/2081	केतु	11/07/2098	शुक्र	13/09/2113	सूर्य	17/06/2123
बुध	21/01/2067	केतु	07/12/2082	शुक्र	11/05/2101	सूर्य	19/01/2114	चंद्र	15/02/2125
केतु	28/12/2067	शुक्र	05/02/2086	सूर्य	18/03/2102	चंद्र	20/08/2114	मंगल	17/04/2126
शुक्र	28/08/2070	सूर्य	18/01/2087	चंद्र	17/08/2103	मंगल	16/01/2115	राहु	17/04/2129
सूर्य	16/06/2071	चंद्र	19/08/2088	मंगल	14/08/2104	राहु	04/02/2116	गुरु	05/05/2129
चंद्र	15/10/2072	मंगल	27/09/2089	राहु	03/03/2107	गुरु	10/01/2117		00/00/0000
मंगल	21/09/2073	राहु	03/08/2092	गुरु	08/06/2109	शनि	18/02/2118		00/00/0000
राहु	15/02/2076	गुरु	15/02/2095	शनि	16/02/2112	बुध	16/02/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 9 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार की होंगी। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगी। आप अपने सम्पर्क की बहु संख्यक महिलाओं के मध्य प्रसिद्ध होंगी। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगी तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगी।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहती हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगी। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकती हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकती हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकती है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड़ जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपके पति एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपके पति के साथ अपराध उजागर कर सकती है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करती हैं तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकती हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार की स्त्री है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकती हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगीं क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहती हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनाना चाहेंगी। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आप अपनी इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहती हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगी।

कर्क राशि विद्यामान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है।